PRESS INFORMATION BUREAU
GOVERNMENT OF INDIA
KOLKATA
*****

Name of Newspaper :- Sanmarg (सन्मार्ग)
Language :- ENGLISH/BENGALI/HINDI/URDU
Place of Publication :- Kolkata (West Bengal)
Date of Publication :- 31/7/17

नये भारत के निर्माण का संकल्प लें देशवासी : मोदी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'भारत छोड़ो आंदोलन' की याद करते हुए देशवासियों से अपील की है कि वे आने वाले पांच वर्षों में देश से सांप्रदायिकता, जातिभेद, भ्रष्टाचार, आतंकवाद, गरीबी और गंदगी को मिटाने के लिए उसी जज्बे से काम करें जैसा महात्मा गांधी के आह्वान पर 1942 में आजादी के दीवानों ने किया था। उन्होंने देशवासियों से यह संकलप लेने को भी कहा कि वे किसी न किसी रूप में 'नये भारत' के निर्माण में योगदान करेंगे।मोदी ने रविवार को आकाशवाणी पर अब्पने मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' में कहा कि देश इस वर्ष 1942 की अगस्त क्रांति की 75 वीं वर्षगांठ मना रहा है जिसमें हर भारतीय द्वारा लिये गये संकल्प के चलते पांच वर्ष बाद करोड़ों लोगों का सपना साकार हुआ था और देश को आजादी मिली थी। उन्होंने कहा कि आज से पांच वर्ष बाद 2022 में देश आजादी की 75 वीं वर्षगांठ मनायेगा ऐसे में ये पांच साल देश के भविष्य के लिए निर्णायक साबित हो सकते हैं। नये भारत के निर्माण के लिए यह देश के सामने एक बार फिर संकल्प लेने और उसे सिद्ध करने का मौका है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अगर 125 करोड़ देशवासी 9 अगस्त, 1942 का स्मरण करते हुए 15 अगस्त को संकल्प करें कि एक व्यक्ति, एँक नागरिक, परिवार के सदस्य, एक शहर या गांव के वासी, एक सरकारी कर्मचारी के तौर पर वे कुछ न कुछ योगदान करेंगे तो करोड़ों संकल्प हो जायेंगे।प्रधानमंत्री ने पिछले कुछ दिनों से भारत के कुछ हिस्सों में विशेषकर असम, पूर्वोत्तर क्षेत्र, गुजरात, राजस्थान, पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्से, अति वर्षा के कारण आयी प्राकृतिक आपदा का जिक्र करते हुए कहा कि बाढ़ प्रभावित राज्यों एवं लोगों को मदद पहुंचाने और फसल बीमा सहित अन्य दावों का निपटारा करने के लिए भरसक प्रयास किये जा रहे हैं। एजेंसियां

PRESS INFORMATION BUREAU
GOVERNMENT OF INDIA
KOLKATA
*****

Name of Newspaper :- prabatkhabar (प्रभात खबर)
Language :- ENGLISH/BENGALI/HINDI/URDU
Place of Publication :- Kolkata (West Bengal)
Date of Publication :- 31/7/17

मन की बात में बोले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

अगस्त के क्रांतिकारी माह में न्यू इंडिया का लें संकल्प

एजेंसियां ▸ नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से आह्वान किया कि अगस्त के इस क्रांतिकारी माह में देश के नवनिर्माण का संकल्प लें. गंदगी, गरीबी, भ्रष्टाचार, आतंकवाद, जातिवाद, संप्रदायवाद भारत छोड़ो का संकल्प लें. इसे हमें पांच साल (2017 से 2022) के अंदर पूरा करना है. यह अवधि देश के लिए निर्णायक है. ठीक उसी तरह जैसे 1942 से 1947 का कालखंड देश की आजादी के लिए था. एक अगस्त,

1920 को असहयोग आंदोलन प्रारंभ हुआ. नौ अगस्त, 1942 को भारत छोड़ो आंदोलन प्रारंभ हुआ और 15 अगस्त, 1947 को देश आजाद हुआ. आकाशवाणी पर प्रसारित 'मन की बात ' कार्यक्रम में अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पांच साल बाद देश की आजादी के 75 साल मनायेंगे. इसलिए हर भारतीय को सोचना है कि एक राष्ट्र के रूप में हमें कहां पहुंचना है? एक व्यक्ति के नाते उसमें मेरा क्या योगदान हो सकता है? आज जरूरत 'करेंगे या मरेंगे ' की नहीं, बल्कि नये भारत के संकल्प के साथ जुड़ने की है, जुटने की है, जी-जान से सफलता पाने के लिए पुरुषार्थ करने की है.

● बाकी पेज 07 पर

लाल किला से इस बार छोटा भाषण

पीएम मोदी ने कहा कि 15 अगस्त को लाल किले से कोई व्यक्ति नहीं बोलता. देश की आवाज बोलती है. इसलिए उस दिन मैं जनता से सुझाव मांगता हूं. पिछले तीन साल से मुझे शिकायत मिली कि मेरा भाषण लंबा होता है. इस बार मैं भाषण छोटा करने का प्रयास करूंगा.

● संबंधित खबरें पेज 11 पर

अगस्त के क्रांतिकारी...

हमें संकल्प को लेकर के जीना है, जूझना है. आइए, इस अगस्त महीने में नौ अगस्त से संकल्प से सिद्धि का एक महाभियान चलाएं. हर नागरिक एक न्यू इंडिया के लिए कुछ-न-कुछ संकल्प ले. एक ऐसा संकल्प, जिसे अगले पांच वर्षों में हम सिद्ध कर के दिखायेंगे. तो आइए, इस संकल्प के पर्व से जुड़ें.

मन की बात में बोले पीएम : जीएसटी सहयोगात्मक संघवाद का उदाहरण

आकाशवाणी पर 'मन की बात' में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा जीएसटी ने भारत की अर्थव्यवस्था को बदल दिया है. यह सहयोगात्मक संघवाद का एक उदाहरण है, जहां नयी परोक्ष कर प्रणाली से जुड़े सभी फैसलों में राज्य साझेदार हैं. यह दुनियाभर में विश्वविद्यालयों के लिए केस स्टडी बन सकती है.

PRESS INFORMATION BUREAU
GOVERNMENT OF INDIA
KOLKATA
*****

Name of Newspaper :- Dainik jagran (दैनिक जागरण)
Language :- ENGLISH/BENGALI/HINDI/URDU
Place of Publication :- Kolkata (West Bengal)
Date of Publication :- 31/7/17

स्वदेशी के सहारे चीन पर निशाना

'मन की बात' में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा-भ्रष्टाचार से जारी रहेगी लड़ाई

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : डोकलाम में तनातनी के बीच प्रधानमंत्री ने चीन पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए त्योहारों में आम जनता से स्वदेशी वस्तुओं के इस्तेमाल की अपील है। इसके साथ ही उन्होंने 1942 के 'अंग्रेजो, भारत छोड़ो' की तर्ज पर गरीबी, आतंकवाद, गंदगी, सांप्रदायिकता और जातिवाद को उखाड़ फेंकने का नारा दिया।

रविवार को आम जनता से 'मन की बात' करते हुए प्रधानमंत्री ने त्योहारों के सामाजिक अर्थशास्त्र की जानकारी दी। उन्होंने इस अवसर पर स्वदेश निर्मित वस्तुओं के इस्तेमाल की अपील की। प्रधानमंत्री का कहना था कि त्योहारों में मिट्टी की देश में बनी मूर्तियों और दीयों का इस्तेमाल करने से गरीबों का रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि इससे हमारे त्योहार सामाजिक के साथ-साथ आर्थिक भी बन जाएंगे। वैसे उन्होंने चीन का नाम नहीं लिया। लेकिन, इशारा स्पष्ट था। दिवाली और गणेशोत्सव जैसे त्योहारों के दौरान देश में हजारों करोड़ के सजावटी सामान से लेकर मूर्तियां तक चीन से आती हैं। इससे धीरे-धीरे इनका स्वदेशी उद्योग चौपट हो गया है। त्योहार शुरू होने से कई महीना पहले प्रधानमंत्री ने चीनी सामान बेचने वाले व्यापारियों को इससे बचने की परोक्ष चेतावनी दे दी। एक बार सामान आयात हो जाने के बाद नहीं बिकने की स्थिति में भी असली नुकसान यहां के व्यापारियों को ही होगा।

भ्रष्टाचार के मुद्दे पर इस्तीफे के लिए नीतीश कुमार की खुलकर तारीफ कर चुके प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' में साफ कर दिया कि आने वाले दिनों में भी यह अहम मुद्दा बना रहेगा। उन्होंने बताया कि 1942 में महात्मा गांधी ने 'अंग्रेजो भारत छोड़ो' का नारा दिया था और पांच साल के भीतर अंग्रेजों को जाना पड़ गया। उसी तर्ज पर अब देश में 'भ्रष्टाचार भारत छोड़ो' आंदोलन की जरूरत है। इसी तरह सांप्रदायिकता, गरीबी, आतंकवाद और जातिवाद के खिलाफ भी आंदोलन शुरू होना चाहिए।

आजादी के इतिहास का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि 1857 से शुरू लड़ाई के बाद 1942 में निर्णायक जंग का वक्त आया था। उसी तरह से आजादी के 70 साल बाद भ्रष्टाचार, जातिवाद, सांप्रदायिकता जैसी बुराइयों से भी अंतिम जंग का वक्त आ गया है। पांच सालों तक जंग के बाद ही 2022 तक हम देश को इनसे मुक्त कर सकेंगे।

पीएम का 15 अगस्त का भाषण छोटा रहेगा

- इस बार 15 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भाषण छोटा रहेगा। मोदी ने लोगों के सुझाव पर इस बार लालकिले से अपना भाषण छोटा रखने की कोशिश करने का वादा किया है।
- प्रधानमंत्री ने विश्वकप के फाइनल तक पहुंचने वाली महिला टीम के साथ-साथ अन्य खेलों में सफलता का कीर्तिमान स्थापित करने के लिए महिला खिलाड़ियों की तारीफ की है।
- प्रधानमंत्री ने देश की जनता से 'नए भारत' के निर्माण का संकल्प लेने और देश को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का भी अनुरोध किया।

जीएसटी ने बदल दी है अर्थव्यवस्था

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : ऐतिहासिक वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू हुए अभी एक महीना हुआ है और इसके फायदे दिखने लगे हैं। जीएसटी से कारोबार की प्रक्रिया सरल हुई और इसने पूरी अर्थव्यवस्था को बदल दिया है। खास बात यह है कि इसने देश में नई ईमानदारी की संस्कृति को बल दिया है। यह बात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम में कही। प्रधानमंत्री ने कहा कि जीएसटी भारत की सामूहिक शक्ति की सफलता का एक उत्तम उदाहरण है। यह एक प्रकार से सामाजिक सुधार का भी अभियान है। पीएम ने कहा कि जीएसटी लागू हुए करीब एक महीना हुआ है और इसके फायदे दिखने लगे हैं। पीएम ने इस बात पर संतोष प्रकट किया कि लोग उन्हें चिट्ठी लिखकर बता रहे हैं कि जीएसटी के कारण किस तरह गरीब की जरूरत की चीजों के दाम कम हुए हैं।

PRESS INFORMATION BUREAU
GOVERNMENT OF INDIA
KOLKATA
*****

Name of Newspaper :- Chhapte-chapte (छपते छपते)
Language :- ENGLISH/BENGALI/HINDI/URDU
Place of Publication :- Kolkata (West Bengal)
Date of Publication :- 31/7/17

गरीबी, भ्रष्टाचार और जातिवाद भारत छोड़ो

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली, 30 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज 34वीं बार आकाशवाणी से मन की बात कार्यक्रम के जरिए देशवासियों से अपने विचार साझा कर रहे हैं। मेरे प्यारे देशवासियो, नमस्कार मनुष्य का मन ही ऐसा है कि वर्षाकाल मन के लिये बड़ा लुभावना काल होता है। लेकिन कभी-कभी वर्षा विकराल रूप लेती है। कुछ दिनों से भारत के कुछ हिस्सों में विशेषकर असम, नार्थ-ईस्ट, गुजरात, राजस्थान, बंगाल, अति-वर्षा के कारण प्राकृतिक आपदा झेलनी पड़ी हैबाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की पूरी मॉनिटरिंग हो रही है। व्यापक स्तर पर राहत कार्य किए जा रहे हैं। आपदा के समय भारतीय सेना के जवान हों, एनडीआरएफ के लोग हों, हर कोई पीड़ितों की सेवा करने में जी-जान से जुड़ जाते हैं

उन्होंने आगे कहा, इन दिनों तो हमने इंश्योरेंस कंपनियों को और विशेष करके क्रॉप इंश्योरेंस कंपनियों को भी प्रोएक्टिव होने के लिए योजना बनाई, ताकि किसानों को क्लेम सेटलमेंट तुरंत हो सकें और बाढ़ की परिस्थितियों को निपटने के लिए 24 घंटे और सातों दिन काम चल रहा है।

उन्होंने कहा कि इस बार जीएसटी को लेकर के इतनी चिट्ठियां आई हैं, इतने सारे फोन कॉल आए हैं। एक फोन कॉल मैं आपको भी सुनाता हूं। जीएसटी के लागू हुए क़रीब एक महीना हुआ है और उसके फ़ायदे दिखने लगे हैं। जीएसटी ने हमारी अर्थव्यवस्था पर एक बहुत ही सकारात्मक प्रभाव और बहुत ही कम समय में उत्पन्न किया है। विश्व ज़रूर इस पर अध्ययन करेगा। जीएसटी एप पर आप भलीभांति जान सकते हैं कि जीएसटी के पहले जिस चीज़ का जितना दाम था, तो नई परिस्थिति में कितना दाम होगा। त्रस्झ सिर्फ टैक्स रिफॉर्म नहीं है, एक नयी ईमानदारी की संस्कृति को बल प्रदान करने वाली अर्थव्यवस्था है।

पीएम ने कहा, मेरे प्यारे देशवासियो, अगस्त महीना क्रांति का महीना होता है। हमारी नयी पीढ़ी को जानना चाहिए कि 9 अगस्त, 1942 को क्या हुआ था। 9 अगस्त 1942 को भारत छोड़ो आंदोलन शुरू हुआ, अगस्त महीने में देश आजाद हुआ। इस साल हमें भारत छोड़ो आंदोलन की 75वीं वर्षगांठ मनाने जा रहे हैं। इस आंदोलन में महात्मा गांधी के आह्वान पर लाखों भारतवासी जीवन को संघर्ष में झोंक रहे थे। महात्मा गांधी ने भारत छोड़ो आंदोलन का आह्वान किया लेकिन कई बड़े नेता जेल में थे। असहयोग आंदोलन और भारत छोड़ो आंदोलन में महात्मा गांधी के दो अलग-अलग रूप देखने को मिलते हैं।

'मन की बात' कार्यक्रम में बोले प्रधानमंत्री मोदी

नए भारत के निर्माण का संकल्प ले हर भारतवासी

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों को 'अगस्त क्रांति' की याद दिलाते हुए इस स्वतंत्रता दिवस पर हर नागरिक से नये भारत के निर्माण में योगदान देने का संकल्प लेने तथा अगले पांच वर्षों में इसे सिद्ध करने का अभियान चलाने को कहा है। श्री मोदी ने आकाशवाणी पर 'मन की बात' कार्यक्रम में कहा कि देश इस वर्ष 1942 की अगस्त क्रांति की 75 वीं वर्षगांठ मना रहा है जिसमें हर भारतीय द्वारा लिये गये संकल्प के चलते पांच वर्ष बाद करोड़ों लोगों का सपना साकार हुआ था और देश को आजादी मिली थी। उन्होंने कहा कि आज से पांच वर्ष बाद 2022 में देश आजादी की 75 वीं वर्षगांठ मनायेगा, ऐसे में ये पांच साल देश के भविष्य के लिए निर्णायक साबित हो सकते हैं। नये भारत के निर्माण के लिए यह देश के सामने एक बार फिर संकल्प लेने और उसे सिद्ध करने का मौका है। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त को हर भारतवासी संकल्प ले कि वह राष्ट्र के निर्माण में कुछ न कुछ योगदान देगा। हमें इस वर्ष को संकल्प वर्ष बनाना है। प्रधानमंत्री ने कहा , अगर सवा-सौ करोड़ देशवासी 9 अगस्त, क्रांति दिवस को याद करके, इस 15 अगस्त को हर भारतवासी संकल्प करे, व्यक्ति के रूप में, नागरिक के रूप में - मैं देश के लिए व्यक्ति के रूप में, नागरिक के रूप में - मैं देश के लिए इतना करके रहूँगा, परिवार के रूप में ये करूँगा, समाज के रूप में ये करूँगा, गाँव और शहर के रूप में ये करूँगा, सरकारी विभाग के रूप में ये करूँगा, सरकार के नाते ये करूँगा। करोड़ों-करोड़ों संकल्प हों। करोड़ों-करोड़ों संकल्प को परिपूर्ण करने के प्रयास हों। तो जैसे 1942 में 1947 पाँच साल देश को आज़ादी के लिए निर्णायक बन गए, ये पांच साल 2017 से 2022 के, भारत के भविष्य के लिए भी निर्णायक बन सकते हैं और बनाने हैं। श्री मोदी ने कहा कि , हमें अगस्त मास संकल्प के साथ जुड़ना है और हमें संकल्प करना है। गंदगी - भारत छोड़ो, ग़रीबी - भारत छोड़ो, भ्रष्टाचार - भारत छोड़ो, आतंकवाद - भारत छोड़ो, जातिवाद - भारत छोड़ो, सम्प्रदायवाद - भारत छोड़ो। आज आवश्यकता 'करेंगे या मरेंगे' की नहीं, बल्कि नये भारत के संकल्प के साथ जुड़ने की है, जुटने की है, जी-जान से सफलता पाने के लिये पुरुषार्थ करने की है। संकल्प को लेकर के जीना है, जूझना है। आइए, इस अगस्त महीने में 9 अगस्त से संकल्प से सिद्धि का एक महाभियान चलाएं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अगस्त महीना क्रांति का महीना होता है और उसका कारण है, एक अगस्त, 1920 - 'असहयोग आन्दोलन' प्रारंभ हुआ, 9 अगस्त, 1942 - 'भारत छोड़ो आन्दोलन' प्रारंभ हुआ, जिसे 'अगस्त क्रांति' के रूप में जाना जाता है और 15 अगस्त, 1947 - देश आज़ाद हुआ। उन्होंने कहा कि अगस्त महीने की कई घटनाएं आज़ादी की तारीख के साथ विशेष रूप से जुड़ी हुई हैं। इस वर्ष हम 'भारत छोड़ो' आन्दोलन की 75वीं वर्षगाँठ मनाने जा रहे हैं।

बेटियों ने जीता दिल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आईसीसी महिला विश्वकप टूर्नामेंट में उपविजेता रही भारतीय महिला क्रिकेट टीम की जमकर प्रशंसा करते हुए आज कहा कि टीम भले ही फाइनल हार गई हो लेकिन इन बेटियों ने सवा सौ करोड़ देशवासियों का दिल जीत लिया है। श्री मोदी ने 'मन की बात' में भारतीय महिला क्रिकेट खिलाड़ियों की जमकर तारीफ की और विश्वकप में उनके प्रदर्शन को सराहा। उन्होंने कहा कि शिक्षा का क्षेत्र हो, आर्थिक क्षेत्र हो, सामाजिक क्षेत्र हो या फिर खेलकूद का मैदान हो, बेटियां लगातार देश का नाम रोशन कर रही हैं और नई-नई ऊँचाइयां प्राप्त कर रही हैं।

(विस्तृत समाचार पृष्ठ 11 पर...)

ईमानदारी की संस्कृति को बल देता है जीएसटी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वस्तु एवं सेवा कर(जीएसटी)का अर्थव्यवस्था पर बेहद सकारात्मक असर बताते हुए आज कहा कि यह सिर्फ कर सुधार नहीं है बल्कि एक सामाजिक सुधार अभियान है जिससे अर्थव्यवस्था की मजबूती के साथ-साथ ईमानदारी की संस्कृति को भी मजबूती मिलती है। श्री मोदी ने आज आकाशवाणी पर मन की बात कार्यक्रम में कहा, जीएसटी जिसे मैं 'गुड एंड सिंपल टैक्स' कहता हूँ, सचमुच में उसने हमारी अर्थव्यवस्था पर बेहद कम समय में बहुत ही सकारात्मक प्रभाव डाला है। जिस तेज़ी से जीएसटी की अनुपालना हुई है और जिस तेज़ी से पंजीकरण हुए हैं, उससे पूरे देश में एक नया विश्वास पैदा हुआ है। उन्होंने कहा कि जीएसटी को लेकर उन्हें देश भर से काफी चिट्ठियाँ मिलीं और फोन भी आये। गुड़गांव से श्रीमती नीतू गर्ग ने फोन पर उनसे पूछा था कि क्या जीएसटी के परिणाम सरकार की अपेक्षा के अनुरूप रहे हैं।

PRESS INFORMATION BUREAU
GOVERNMENT OF INDIA
KOLKATA
*****

Name of Newspaper :- Yuvashakti (युवाशक्ति)
Language :- ENGLISH/BENGALI/HINDI/URDU
Place of Publication :- Kolkata (West Bengal)
Date of Publication :- 31/7/17

मन की बात में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया नाया

गरीबी-भ्रष्टाचार-जातिवाद भारत छोड़ो

- बारिश सुहानापन के साथ बाढ़ भी लाती है
- जीएसटी से कारोबारी और ग्राहकों में बढ़ा विश्वास
- क्रांति का महीना है अगस्त
- 15 अगस्त को संकल्प दिवस के रूप में मनाएं
- पांच साल में पूरा करें न्यू इंडिया संकल्प
- लाल किला से छोटा भाषण दूंगा
- रक्षाबंधन और जन्माष्टमी के जरिए समाज को जोड़ें
- मिट्टी के गणेश जी पूजा करें
- बेटियों के हार को देश ने कंधे पर उठाया

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात में बाढ़, जीएसटी, अगस्त क्रांति के साथ ही भारतीय महिला क्रिकेट टीम के वर्ल्डकप 2017 में शानदार प्रदर्शन का जिक्र किया. पीएम मोदी ने नारा दिया गरीबी भारत छोड़ो, भ्रष्टाचार भारत छोड़ो, आतंकवाद भारत छोड़ो, जातिवाद भारत छोड़ो. पीएम मोदी ने कहा कि कभी-कभी प्राकृतिक आपदाएं देश के लिए ज्यादा नुकसान दायक साबित होती है. पीएम मोदी ने देश में बाढ़ प्रभावित राज्यों गुजरात, राजस्थान, पश्चिम बंगाल का जिक्र करते हुए कहा कि सेना और एनडीआरएफ के जवान आपदा पीड़ितों की सेवा के लिए जुटे है. उन्होंने कहा कि बाढ़ से जो किसानों को जो नुकसान होता है उसके लिए इंशोरेंस कंपनियों से भी बात की है. ताकि किसानों का नुकसान थोड़ा कम हो. भारतीय महिला क्रिकेट टीम की खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर पीएम मोदी ने कहा कि हमारी बेटियां देश का नाम रौशन करने लिए बहुत कुछ कर रही है. पीएम ने कहा कि पानी के पास विनाश की भी ताकत है. पर्यावरण में आ रहे बदलाव से बहुत कुछ बदल रहा है. प्राकृतिक आपदा का सामना करना पड़ रहा है. उन्होंने कहा कि सरकार सब देख रही है. मदद का भरसक प्रयास कर रही है. लोगसेवा भाव से आगे आ रहे है. भारत सरकार की ओर से सेना, एनडीआरएफ के जवान सेवा में लगे है. बाढ़ में किसानों को सबसे ज्यादा नुकसान होता है. सरकार ने इंश्योरेंस कंपनी को एक्टिव करने की योजना बनाई है. ताकि किसानों को समय पर क्लेम मिले है. इसके बाद पीएम मोदी ने अपने भाषण में जीएसटी (गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स) पर बात की. पीएम ने जीएसटी से जुड़े सवाल पर एक पर जनता के सवाल से जुड़ा फोन भी सुनाया. पीएम मोदी ने जीएसटी से फायदे बताए. पीएम

पेज 9 पर जारी

गरीबी-भ्रष्टाचार-जातिवाद...

मोदी ने बताया कि जीएससीट लागू होने से देश में व्यापार आसान हुआ है. पीएम मोदी ने कहा कि जीएसटी को लेकर लोगों में उत्साह है. कई लोगों में जिज्ञासा है. उन्होंने बताया कि गुड़गांव की नीतू ने कहा कि जीएसटी के लागू होने का असर बताएं. पीएम ने कहा कि जीएसटी को लागू हुए एक महीना हो रहा है. इससे फायदा हुआ है. चीजें सस्ती हुई हैं. पीएम ने कहा कि उत्तर पूर्व से लोगों ने कहा कि अब काम आसान हो गया है. ट्रांसपोर्ट पर इसका अच्छा असर पड़ा है. सामान की आवाजाह बढ़ी है. लोगों का सामान जल्द पहुंच रहा है. सुविधा हो रही है. पहले इस सेक्टर का काफी समय पेपर वर्क पर लगता था. पीएम ने कहा कि जीएसटी ने अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है. पीएम ने कहा कि इसने अर्थव्यवस्था को सहारा दिया है. दुनिया की यूनिवर्सिटी के लिए एक विषय बनेगा. इतने बड़े देश में सफलतापूर्वक लागू करना और आगे बढ़ना एक सफलता है. जीएसटी लॉगू करने में सभी राज्यों की भागीदारी है और सभी की जिम्मेदारी है. सभी राज्यों ने सर्वसम्मति से लागू किया है. जीएसटी के पहले जिसका दाम जो था वह एक मोबाइल पर उपलब्ध है. वन नेशन वन टैक्स के इस प्रावधान पर तहसील तक के स्तर के अधिकारियों ने काफी मेहनत की है. इससे दुकानदार और उपभोक्ता में विश्वास बढ़ा है. पीएम ने कहा कि अगस्त क्रांति का महीना है. इस दौरान भारत में आजादी की क्रांति हुई. इस महीने में कई घटनाएं आजादी से जुड़ी हैं. इस वर्ष भारत छोड़ो की 75वीं वर्षगांठ मनाने जा रहे हैं. भारत छोड़ो, यह नारा डॉ यूसुफ मेहर अली ने दिया था. इतिहास के पन्ने भारत की आजादी की प्रेरणा है. 1947 से अब 2017 है. 70 साल हो गए. देश में रोजगारी बढ़ाने, गरीबी हटाने के लिए प्रयास हुए. उन्होंने अपील की कि 2017 के 15 अगस्त को संकल्प दिवस के रूप में मनाए. उन्होंने कहा कि लोग अपने देश में सुधार के लिए संकल्प लें. पीएम मोदी ने नारा दिया गरीबी भारत छोड़ो, जातिवाद भारत छोड़ो, भ्रष्टाचार भारत छोड़ो. पीएम ने कहा कि सफलता पाने के लिए काम करने की जरूरत है. संकल्प से सिद्धि का अभियान चलाएं. न्यू इंडिया के लिए आप संकल्प लें और पूरा करें. नए आइडिया पर विचार करें. एक नागरिक के नाते अपना योगदान दें. पीएम ने कहा कि ऑनलाइन वाली दुनिया को आगे आना चाहिए और नए भारत के निर्माण में अपना सहयोग दें. इस मुहीम को जनआंदोलन में परिवर्तित करें. पीएम मोदी ने कहा कि 15 अगस्त को लाल किले से कोई व्यक्ति नहीं बोलता. देश की आवाज बोलती है. उन्होंने कहा कि मैं उसके लिए लोगों से सुझाव मांगता हूं. उन्होंने लोगों से विचार मांगें. पीएम ने कहा कि पिछले तीन बार से मुझे शिकायत मिली कि मेरा भाषण लंबा होता है. इस बार मैं भाषण छोटा करने का प्रयास करूंगा. पीएम ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था में सामाजिक विश्वास है. उत्सव सामाजिक सुधार का अवसर है. उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन, जन्माष्टमी आदि कई उत्सव होंगे. यहां पर गरीब की मदद का संकल्प लें. इससे व्यक्ति और समाज में जुड़ाव आता है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो पर ब्रॉडकास्ट होने वाले इस प्रोग्राम की शुरुआत 3 अक्टूबर 2014 को हुई थी. ये अब तक 33 बार ब्रॉडकास्ट किया जा चुका है. वहीं, इस प्रोग्राम से अब तक ऑल इंडिया रेडियो यानी एआइआर को दो साल में करीब 10 करोड़ रुपए की कमाई हई है.

PRESS INFORMATION BUREAU
GOVERNMENT OF INDIA
KOLKATA
*****

Name of Newspaper :- Bharatmitra (भारतमित्र)
Language :- ENGLISH/BENGALI/HINDI/URDU
Place of Publication :- Kolkata (West Bengal)
Date :- 31/7/17

मन की बात में मोदी की जनता से अपील

न्यू इंडिया के लिए लें संकल्प

नई दिल्ली। नरेंद्र मोदी ने रविवार को 34वीं बार मन की बात की। मोदी ने कहा, जीएसटी लागू होने के बाद ग्राहकों का व्यापारियों पर भरोसा कायम हुआ है। एक ही महीने में इसके फायदे दिखने लगे हैं। उन्होंने ये भी कहा कि 1942 में आजादी के लिए संकल्प लिया गया था। 5 साल में इसे पूरा करके दिखाया गया। इस बार हमें संकल्प लेना चाहिए कि गरीबी भारत छोड़ो, आतंकवाद भारत छोड़ो, गंदगी भारत छोड़ो। 2022 में इसे सिद्ध करके दिखाएं।

मन की बात में मोदी ने कहा- बारिश का मौसम लोगों के लिए लुभावना वक्त होता है। कभी-कभी बारिश से बाढ़ आती है तो इसका विकराल रूप सामने आता है। प्रकृति के इस रूप से निराशा भी होती है। पिछले दिनों गुजरात, राजस्थान, नॉर्थ-ईस्ट और बंगाल में बाढ़ आई है। सरकार बाढ़ पीड़ितों की पूरी मदद कर रही है। सेना और एनडीआरएफ के जवान लोगों को निकालने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। बाढ़ से किसानों को काफी नुकसान होता है। हमने फसल बीमा के लिए कंपनियों को प्रो-एक्टिव होने के लिए कहा है।

मोदी ने कहा, जीएसटी के लिए कई लेटर और मैसेज आए। एक महीने में ही इसके फायदे दिखने लगे हैं। मुझे खुशी होती है कि गरीबों के लिए चीजों के दाम कैसे कम हो गए हैं। कारोबार आसान हो गया है। कारोबारियों की आय बढ़ी है। ट्रकों की रफ्तार बढ़ने से पॉल्यूशन कम हुआ है। ट्रांसपोर्ट और लॉजिस्टिक सिस्टम आसान

हो गया है। गुड एंड सिम्पल टैक्स से स्मूथ ट्रांजैक्शन हुए हैं। पूरी दुनिया में इकोनॉमी के जानकार इस पर रिसर्च करके जरूर लिखेंगे।

मोदी ने कहा, अगस्त का महीना एक तरह के क्रांति का महीना है। एक अगस्त को असहयोग आंदोलन और 9 अगस्त 1942 को भारत छोड़ो आंदोलन शुरू हुआ। 15 अगस्त को देश आजाद हुआ। अंग्रेजों भारत छोड़ो का नारा डॉक्टर यूसुफ मेहर अली ने दिया। युवा पीढ़ी को इसे जानना चाहिए। मोदी ने कहा, भारत का पहला स्वतंत्रता संग्राम 1857 से शुरू हुआ था। आंदोलन में हर कोई कुछ न कुछ करने के लिए तैयार रहा। लोग आते और जुड़ते गए। 1942 आंदोलन की चरम सीमा पर पहुंचा। अगले 5 साल में अंग्रेजों को देश छोड़कर जाना पड़ा। ये निर्णायक साल थे। हम 1947 में हम आजाद हुए। अब 2017 में 70 साल हो चुके हैं। कई सरकार आईं। मैं देख रहा हूं कि 2017 से 2022 के लिए नया संकल्प लें। अगर देशवासी 9 अगस्त क्रांति के दिन संकल्प ले कि मैं देश के लिए क्या करूंगा तो अगले 5 साल भी भारत के भविष्य के लिए निर्णायक बन सकते हैं। 2022 में जब हम आजादी के 75 साल मनाएंगे तो नारा हो कि नए भारत के लिए गरीबी भारत छोड़ो, सांप्रदायिकता भारत छोड़ो, बेईमानी भारत छोड़ो, गंदगी भारत छोड़ो, आतंकवाद भारत छोड़ो और जातिवाद भारत छोड़ो। सभी लोग न्यू इंडिया के लिए कुछ न कुछ संकल्प लें। नए आइडिया उजागर कर सकते हैं। एक व्यक्ति के रूप में मेरा क्या योगदान हो सकता है। हम कहीं हो ना हों ऑनलाइन जरूर होते हैं। इंटरनेट पर अपने आइडिया सोशल मीडिया और ब्लॉग में शेयर करें।

PRESS INFORMATION BUREAU
GOVERNMENT OF INDIA
KOLKATA
*****

Name of Newspaper :- Jansatta (जनसत्ता)
Language :- ENGLISH/BENGALI/HINDI/URDU
Place of Publication :- Kolkata (West Bengal)
Date of Publication :- 31/7/17

बुराइयों को देश से हटाने का आह्वान किया मोदी ने

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 30 जुलाई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता आंदोलन में असहयोग आंदोलन और भारत छोड़ो आंदोलन के महत्व का जिक्र करते हुए आह्वान किया कि अगस्त के इस मास में हमें संकल्प के साथ जुड़ना है कि गंदगी, ग़रीबी, भ्रष्टाचार, आतंकवाद, जातिवाद, संप्रदायवाद – भारत छोड़ो और इस संदर्भ में 2017 से 2022 का कालखंड इस संकल्प की सिद्धि के लिए महत्वपूर्ण है।

आकाशवाणी पर प्रसारित 'मन की बात' कार्यक्रम में अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि अगस्त महीना क्रांति का महीना होता है। सहज रूप से ये बात हम बचपन से सुनते आए हैं और उसका कारण है–1 अगस्त 1920 से – असहयोग आंदोलन प्रारंभ हुआ। नौ अगस्त 1942 से – भारत छोड़ो आंदोलन प्रारंभ हुआ। जिसे अगस्त क्रांति के रूप में जाना जाता है और 15 अगस्त 1947 में – देश आजाद हुआ। एक प्रकार से अगस्त महीने में अनेक घटनाएं आजादी की तवारीख के साथ विशेष रूप से जुड़ी हुई हैं। इस वर्ष हम भारत छोड़ो आंदोलन की 75वीं वर्षगांठ मनाने जा रहे हैं। लेकिन बहुत कम लोग इस बात को जानते हैं कि भारत छोड़ो – ये नारा डाक्टर यूसुफ मेहर अली ने दिया था। हमारी नई पीढ़ी को जानना चाहिए कि 9 अगस्त 1942 को क्या हुआ था।

उन्होंने कहा कि जैसे 1942 से 1947 तक के पांच साल देश की आजादी के लिए निर्णायक बन गए। उसी प्रकार से ये पांच साल 2017 से 2022 के, भारत के भविष्य के लिए भी निर्णायक बन सकते हैं और बनाने हैं। पांच साल बाद देश की आजादी के 75 साल मनाएंगे। तब हम सब लोगों को दृढ़ संकल्प लेना है। 2017 हमारा संकल्प का वर्ष बनाना है। यही अगस्त मास संकल्प के साथ हमें जुड़ना है और हमें संकल्प करना है। गंदगी – भारत छोड़ो, गरीबी – भारत छोड़ो, भ्रष्टाचार – भारत छोड़ो, आतंकवाद – भारत छोड़ो, जातिवाद – भारत छोड़ो, संप्रदायवाद – भारत छोड़ो।

मोदी ने कहा– आज आवश्यकता करेंगे या मरेंगे की नहीं, बल्कि नए भारत के संकल्प के साथ जुड़ने की है। जुटने की है, जीजान से सफलता पाने के लिए पुरुषार्थ करने की है। संकल्प को लेकर के जीना है, जूझना है। आइए, इस अगस्त महीने में 9 अगस्त से संकल्प से सिद्धि का एक महाभियान चलाएं। प्रत्येक भारतवासी, सामाजिक संस्थाएं, स्थानीय निकाय की इकाइयां, स्कूल, कॉलेज, अलग–अलग संगठन – हर एक न्यू इंडिया के लिए कुछ–न–कुछ संकल्प लें। एक ऐसा संकल्प, जिसे अगले 5 वर्षों में हम सिद्ध कर के दिखाएँगे। युवा संगठन, छात्र संगठन, एनजीओ आदि सामूहिक चर्चा का आयोजन कर सकते हैं। नए–नए विचार उजागर कर सकते हैं। एक राष्ट्र के रूप में हमें कहाँ पहुंचना है? एक व्यक्ति के नाते उसमें मेरा क्या योगदान हो सकता है? आइए, इस संकल्प के पर्व पर हम जुड़ें।

मोदी ने कहा कि 1857 से 1942 तक के इस परिश्रम ने, इस आंदोलन ने एक ऐसी स्थिति पैदा की कि 1942 इसकी चरम सीमा पर पहुंचा और भारत छोड़ो का ऐसा बिगुल बजा कि 5 वर्ष के भीतर–भीतर 1947 में अंग्रेजों को जाना पड़ा। 1942 से 1947 – पाँच साल निर्णायक वर्ष थे। प्रधानमंत्री ने कहा– अब मैं आपको इस गणित के साथ जोड़ना चाहता हूं। 1947 में हम आजाद हुए। आज 2017 है। करीब 70 साल हो गए। सरकारें आई–गई। व्यवस्थाएं बनीं, बदलीं, पनपीं, बढ़ीं। देश को समस्याओं से मुक्त कराने के लिए हर किसी ने अपने–अपने तरीके से प्रयास किए। देश में रोजगार बढ़ाने के लिए, गरीबी हटाने के लिए, विकास करने के लिए प्रयास हुए। अपने–अपने तरीके से परिश्रम भी हुआ। सफलताएं भी मिलीं। अपेक्षाएं भी जगीं।